

प्रथमः पाठः



पुनरावलोकनम्-१

कः धावति?

अश्वः धावति।



कौ धावतः?

अश्वौ धावतः।



के धावन्ति?

अश्वाः धावन्ति।



कः खादति?

नरः खादति।



कौ खादतः?

नरौ खादतः।



के खादन्ति?

नराः खादन्ति



का पठति?

बालिका पठति।

के पठतः?

बालिके पठतः।

का: पठन्ति

बालिका: पठन्ति



का जलंपिबति ?

अजा जलं पिबति।



के जलं पिबतः ?

अजे जलं पिबतः



का: जलं पिबन्ति ?

अजा: जलं पिबन्ति



किं पतति ?

फलं पतति।



के पततः ?

फले पततः।



कानि पतन्ति ?

फलानि पतन्ति।



किं विकसति ?

कमलं विकसति।

के विकसतः ?

कमले विकसतः।

कानि विकसन्ति ?

कमलानि विकसन्ति।

शब्दार्थः

कः = कौन **का** = कौन **किम्** = कौन

कौ = कौन दोनों **के** = कौन दोनों

के = कौन सब **का:** = कौन सब **कानि** = कौन सब

अभ्यासः

1. चित्रानुसारं संस्कृते वाक्यानि रचयत -

कः धावति ?



का लिखति ?



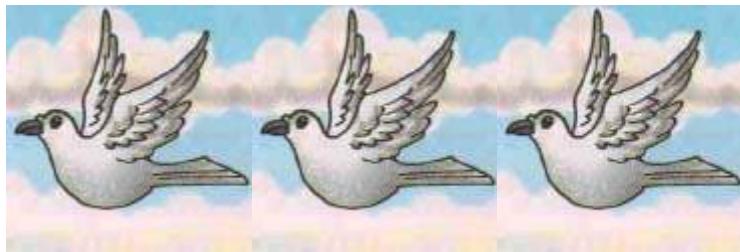
किं पतति ?



के खेलन्ति ?



काः उड्यन्ति ?



कानि विकसन्ति ?

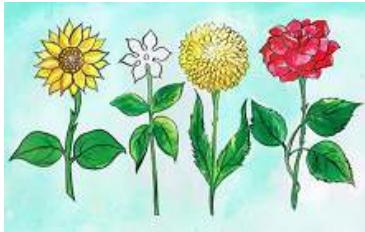


.....
2. चित्रानुसारं संस्कृते वाक्यानि रचयत-



का: पठन्ति ?

बालिका: पठन्ति।



3. उदाहरणानुसारं पुल्लिङ्गरूपाणि लिखत-

शब्दः एकवचनम् द्विवचनम् बहुवचनम्

यथा- अश्वः अश्वौ अश्वाः

नर

गज

मृग

वानर

सैनिक

विशेषः - पढें और समझें -

1. 'अश्वः धावति' में 'धावति' क्रियापद है जो दौड़ने की क्रिया को बता रहा है। 'धावति' शब्द में 'धाव' भाग को धातु तथा 'ति' भाग को प्रत्यय कहते हैं। इस प्रकार धाव+ति (धातु+प्रत्यय) के योग से क्रियापद 'धावति' बना है।

विशेष-

(क) 'अश्वः धावति' वाक्य में घोड़े के लिए 'अश्वः' पद का प्रयोग हुआ है, इसे संज्ञा पद कहते हैं। क्रिया पद के समान ही संज्ञा पदों में भी एकवचन, द्विवचन और बहुवचन के रूप अलग- अलग होते हैं।

(ख) 'अश्वः' शब्द के अन्त में 'अ' होने के कारण इसे 'अकारान्त शब्द' कहते हैं।

विशेष- प्रथम पुरुष, जैसे- खेलति, खेलतः, खेलन्ति क्रियापद हमारे अथवा तुम्हारे से भिन्न किसी दूसरे के खेलने को बताता है। इसलिए इसे प्रथम पुरुष अथवा अन्य पुरुष की क्रिया कहते हैं।

4. (क) उदाहरणानुसारं स्त्रीलिङ्गरूपाणि लिखत-

एकवचनम् द्विवचनम् बहुवचनम्

यथा-अजा अजा अजे अजाः

शिक्षिका

बालिका

विशेष -

1. संज्ञा पदों को तीन लिंगों बाँटते हैं-

पुल्लिङ्ग- बालक, वानर, गज आदि।

स्त्रीलिङ्ग-अजा, लता, चटका, बालिका आदि।

नपुंसकलिङ्ग-पुस्तक, कमल, पुष्प, मित्र आदि।

2. संज्ञा पदों से लिङ्ग का बोध होता है, किन्तु क्रिया पदों से लिङ्ग का बोध नहीं होता है। इसलिए संज्ञा के लिङ्ग का क्रिया पद पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, जैसे-बालकः धावति (पुल्लिङ्ग)। बालिका धावति (स्त्रीलिङ्ग)।

मित्रं धावति (नपुंसकलिङ्गं)।

(ख) .उदाहरणानुसारं नपुंसकलिङ्गरूपाणि लिखत-

एकवचनम् द्विवचनम् बहुवचनम्

यथा-

फलम् फलम् फले फलानि

पुस्तकम्

पुष्पम्

5. मञ्जूषातः पदानि चित्वा वाक्यानि पूरयत-

के , खादति, धावतः, गच्छन्ति, काः, कानि , प्रवहति , का,

(क) बालकः

(ख) कुकुरौ

(ग) जलम्

(घ) गजाः

(ङ) नमन्ति ?

च) उत्पतति ?

(छ) विकसन्ति ?

(ज) धावन्ति ?

6. चित्रानुसारं संस्कृतपदानि लिखत-



7. संस्कृतभाषायाम् अनुवादं कुरुत-

(क) दो आदमी खाते हैं।

(ख) आदमी खाता है।

(ग) लड़कियाँ पढ़ती हैं।

(घ) बकरी पानी पीती है।

(ङ) कमल खिलते हैं।

ध्यातव्यम्-

(क) संस्कृते त्रयः पुरुषाः भवन्ति - प्रथमपुरुषः, मध्यमपुरुषः, उत्तमपुरुषः।

(ख) संस्कृते त्रीणि वचनानि भवन्ति - एकवचनम्, द्विवचनम्, बहुवचनम्।

(ग) संस्कृते त्रीणि लिङ्गानि भवन्ति - पुंलिङ्गम्, स्त्रीलिङ्गम्, नपुंसकलिङ्गम्।

वार्तालापः

सुप्रभातम्।

सुप्रभातम् सुप्रभातम् !!

मम नाम अर्पिता।

भवतः नाम किम् ?

मम नाम सौरभः।

भवती कस्यां कक्षायां पठति ?

अहं षष्ठकक्षायां पठामि।

अहमपि।

कः विषयः प्रियः ?

संस्कृतम्।

शोभनम्।

विशेष- परस्परं वार्तालापाय उपरि लिखितवाक्यानाम् अभ्यासं कारयत।